Roll No. ..... Total Pages : 4

4383

M.A. (Previous) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper–III

(साहित्य शास्त्र)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

(खण्ड–अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड–ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड–स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(इकाई–I)

(i) 'काव्यालंकार' के रचयिता कौन थे?

(ii) नैसर्गिक प्रतिभा, निर्मल शास्त्र ज्ञान और अमंद अभियोग को किसने काव्य–हेतु कहा था?

(इकाई–II)

(iii) गुणों तथा समास पर निर्भर पद रचना से किस काव्य–सिद्धान्त का संकेत मिलता है?

(iv) न्याय सिद्धान्त के अनुमान–प्रमाण पर रस–सूत्र की व्याख्या का कौन–सा वाद आधारित है?

(इकाई–III)

(v) 'कवि या कलाकार अपने अंतर की भावना को बाहर प्रकाशित करता है, बाह्य वस्तु को नहीं', यह किस पाश्चात्य काव्य–सिद्धान्त का मूल तत्व है?

(vi) मार्क्सवाद के अनुसार समाजवादी क्रांति केवल यह वर्ग ही कर सकता है .....

(इकाई–IV)

(vii) रामविलास शर्मा, प्रकाश चन्द्र गुप्त, नंददुलारे वाजपेयी, अमृत राय और नामवर सिंह में से किनका सम्बन्ध प्रगतिवाद से **नहीं** है ?

(viii) 'नयी कविता के प्रतिमान' और 'नये प्रतिमान : पुराने निकष' किस आलोचक की कृतियाँ हैं?

(इकाई–V)

(ix) हिन्दी शब्द 'मिथक' किस मूल विदेशी शब्द का प्रचलित पर्याय है?

(x) ल्योतार, फूको और देरिदा के नाम किस विचार या दर्शन से सम्बद्ध हैं?

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. साहित्य के मुख्य तत्त्वों का परिचय दीजिए।

अथवा

3. काव्य के हेतु और काव्य के प्रयोजन का परिचय देते हुए उनका अंतर स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–II)

4. भरत मुनि के रस सूत्र की व्याख्या करने वाले किन्हीं **दो** सिद्धान्तों का परिचय देते हुए उनकी तुलना कीजिए।

अथवा

5. ध्वनि सिद्धान्त का परिचय दीजिए।

(इकाई–III)

6. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद को समझाइए।

अथवा

7. मार्क्सवाद की मूल स्थापनाओं पर एक परिचयात्मक टिप्पणी लिखिए।

(इकाई–IV)

8. हिन्दी के किसी एक शास्त्रीय आलोचक के कृतित्व का आकलन प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

9. हिन्दी समीक्षा में प्रगतिवाद का स्थान निर्धारित कीजिए।

(इकाई–V)

10. अजनबीपन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

11. आधुनिकता और उत्तर–आधुनिकता के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–स

(इकाई–I)

12. साहित्य के उद्देश्य के बारे में प्रचलित विविध मतों का परिचय दीजिए।

(इकाई–II)

13. रस सिद्धान्त का परिचय देते हुए उसकी प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(इकाई–III)

14. अनुकरण सिद्धान्त को समझाइए।

(इकाई–IV)

15. किसी **एक** प्रतिनिधि रचना का सन्दर्भ देते हुए फंतासी को स्पष्ट कीजिए।